सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 139 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 25 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

सब कुछ आपका हो सकता है। बस सब कुछ एक बार में ही आपका नहीं हो सकता।
-ओपरा विनफ्रे

बांग्लादेश से भारत का करो या मरो... 7 | पंजाब में आप को विपक्ष करेगा... 3 | संविधान बदलने के लिए दूसरे... 2

24 घंटे में हिल गयी घूसखोर अधिकारी की कुर्सी

4PM के स्टिंग आपरेशन के बाद गाजियाबाद के घूसखोर सतीश कुमार पर हुई कार्रवाई

» यूपी सरकार ने किया सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कल सवाल उठा था। आज सरकार ने जवाब दिया है। कल कैमरे ने कहानी दिखाई थी। आज फाइलों ने करवट ली और गाजियाबाद के उस घूसखोर अधिकारी सतीश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया। आदेश जारी हो चुके हैं और कलतक खुद को सहकारिता का शहंशाह समझने वाला सतीश कुमार आज सड़क पर है।

कल तक जो व्यक्ति बिना पैसे लिए बात नहीं करता था और जो पैसे न दे उसे पेरशान करता था आज खुद परेशान है। और यह संभव हुआ है 4PM की बेबाक पत्रकारिता और पाठकों के रिस्पोंस के चलते। 4PM चैनल ने एक स्टिंग में दिखाया कि किस तरह से गाजियाबाद की वेब सिटी में संचार नस्ट नाम की सोसाइटी को सतीश कुमार ने गैरकानूनी तरीके से फर्जी शिकायत कराके सील कर दिया था। हालांकि अंदर खाने ये भी चर्चा हो रही है इतने गंभीर मामले में सस्पेंड किया गया गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

4PM ने घूसखोरी पर उठाए थे सवाल

कल हमने उन आरोपों उन दावों और उन बातचीतों को सामने रखा था जिन्होंने व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए थे। सवाल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं था। सवाल था उस व्यवस्था का जिसके भरोसे लाखों लोग अपने

अधिकारों अपनी संपत्तियों और अपने भविष्य की सुरक्षा की उम्मीद करते हैं। सवाल था कि क्या शिकायतों और जांचों का इस्तेमाल निष्पक्ष न्याय के लिए हो रहा है या फिर कहीं कुछ लोग उसे अपने प्रभाव का औजार बना चुके हैं। आज ठीक चौबीस घंटे बाद शासन ने आदेश जारी कर संबंधित अधिकारी को उसके पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई खुद में बताने के लिए काफी है कि 4PM के स्टिंग आपरेशन को लाखों लोगों ने देखा और उसका दबाव शासन पर बना और उसे अनदेखा करना संभव नहीं हुआ। कार्रवाई बताती है कि लोकतंत्र में कैमरे की आंख कलम की ताकत और जनता के सवाल अभी भी जिंदा हैं।

जंगल में आग की तरह फैल गयी खबर

उत्तर प्रदेश में आवास विकास सहकारिता विभाग में भ्रष्ट अधिकारी सतीश कुमार ने गाजियाबाद की वेब सिटी में संचार नस्ट नाम की सोसाइटी के लोगों से 50 लाख रूपये और दो लाख रूपये प्रतिमाह की दर से घूस की डिमांड की। घूस न मिलने पर एक फर्जी शिकायत करा के घूसखोर अधिकारी सतीश कुमार ने कार्रवाई कर दी। यह खबर जब 4PM को मिली तो एक स्टिंग आपरेशन करके सतीश कुमार की कारतूतों को सामने लाया गया। हालांकि यह काम इतना आसान नहीं था। रिस्क था, क्योंकि सतीश कुमार कोई मामूली अधिकारी नहीं हैं। शासन प्रशासन में अपनी उंची पहुंच का हवाला और पूर्व में तामाम आरापों के बाद भी वह व्यक्ति अपनी सीट पर बना हुआ था। बाहरहाल पत्रकारिता धर्म को निभाते हुए हम सच को सामने लाये बेधड़क और दर्शकों ने उसमें भरपूर सहयोग किया। खबर जंगल में आग की तरह फैली और सरकार को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा।

यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो कुर्सी कितनी भी मजबूत क्यों न हो दफ्तरों की दीवारें कितनी भी ऊंची क्यों न हों जब सवाल दस्तक देते हैं तो जवाबों को बाहर आना ही पड़ता है। पिछले चौबीस घंटे उत्तर प्रदेश की नौकरशाही और सहकारिता तंत्र के लिए साधारण चौबीस घंटे नहीं थे। यह वह समय था जिसमें एक स्टिंग ऑपरेशन ने बहस को जन्म दिया बहस ने सवाल पैदा किए और सवालों ने शासन के दरवाजे तक पहुंचकर दस्तक दे दी।

यह जीत पाठकों की जीत है

यह जीत उस विचार की है जो कहता है कि सरकारी कुर्सी जनता की सेवा के लिए होती है किसी की निजी जागीर बनने के लिए नहीं। अब सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि एक अधिकारी हटा दिया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कहानी यहीं खत्म हो जाती है? या फिर यह तो सिर्फ शुरुआत है? क्योंकि यदि एक स्टिंग के बाद चौबीस घंटे के भीतर कार्रवाई हो सकती है तो इसका मतलब है कि व्यवस्था के भीतर कहीं न कहीं ऐसे संकेत मौजूद थे जिन्होंने शासन को तत्काल निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। अब निगाहें केवल स्थानांतरण या हटाए जाने पर नहीं टिकेंगी। अब सवाल जवाबदेही का होगा। सवाल जांच का होगा। सवाल यह होगा कि जिन आरोपों ने इतना बड़ा भूचाल पैदा किया उनकी तह तक कौन जाएगा? और कब जाएगा? आज की यह रिपोर्ट उसी कहानी का दूसरा अध्याय है। कल खुलासा था आज असर है कल सवाल था आज कार्रवाई है और अब पूरे प्रदेश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सच की इस लड़ाई का अगला पड़ाव क्या होगा।

भूकंप से डोली वेनेजुएला की धरती, हजारों की मौत

» सैकड़ों लाशें मलबे से निकाली गईं, भारत-अमेरिका भेजेंगे मदद

» रिक्टर पर तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेनेजुएला। वेनेजुएला में दो शक्तिशाली भूकंप आए। इनकी तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गई। इस प्राकृतिक आपदा ने पूरे देश में भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। करीब हजारों लोग घायल हुए हैं।

कई इलाकों में इमारतें गिर गई हैं और संचार व्यवस्था ठप हो गई है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने जानकारी दी कि मृतको की संख्या बढ़ सकती है। बचाव दल अभी भी गिरी हुई इमारतों के मलबे में लोगों को तलाश रहे हैं। राहत टीमें प्रभावित जगहों तक पहुंचने की पूरी कोशिश कर रही हैं। इस संकट की घड़ी में अमेरिका ने मदद का हाथ बढ़ाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने सोशल मीडिया पर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका तुरंत वेनेजुएला में खोज और बचाव दल भेजेगा। इसके साथ ही वहां चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भी भेजी जा रही है। अमेरिका की टीमें मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित निकालने में स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगी।

संबंधित खबरें पेज 8 पर

संविधान बदलने के लिए दूसरे दलों को तोड़ रही है भाजपा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा की केंद्र सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने कहा है कि भाजपा दूसरे दलों में सेंध इसलिए लगा रही है ताकि वह संविधान बदलने भर के सांसद जुटा सके। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अलग-अलग पार्टियों के सांसदों के टूटने पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने अपने वोट के अधिकार से भाजपा के संविधान बदलने की साजिश को रोक दिया। इसलिए अब सांसदों को खरीद रही है और उन्हें डरा भी रही है। भाजपा संविधान बदलने के लिए सांसदों को इकट्ठा कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ के अलीगंज में हुई अग्निकांड की घटना में सुरक्षा नियमों का पालन नहीं हुआ। जब हजरतगंज के होटल में आग लगी थी तो सरकार ने कहा था कि 24 घंटे के अंदर बुलडोजर चल जाएगा। होटल सरकार समर्थक का था, इसलिए बुलडोजर नहीं चला। अलीगंज की घटना में इमरजेंसी सेवाओं का पहले तो फोन नहीं उठा, जब उठा भी तो कहा गया कि हम ये काम नहीं करते हैं। अमृत काल और विश्वगुरू बनने वाली सरकार के पास इमरजेंसी में दीवार तोड़ने के लिए हथियार नहीं थे। दीवार काटने के लिए मशीन नहीं थी। अगर समय पर दीवार काट दी जाती तो बहुत बच्चों की जान बच जाती। सपा अध्यक्ष ने मांग की कि सरकार जान गवांने वाले नौजवानों के परिवारों को नौकरी दे या एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा दे। जो घायल हैं, उनका पूरा इलाज कराए और पूरी तरह स्वस्थ होने तक उनके वेतन के बराबर धनराशि हर महीने दें। इस घटना में सुरक्षा मानकों का पूरा पालन हो, जिससे भविष्य में दोबारा इस तरह की घटना न हो।

आदिवासियों के हक छीन रही भाजपा : अखिलेश यादव

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर आदिवासियों के हक छीनने, उनके जल, जंगल व जमीन पर कब्जा करने और 69 हजार शिक्षक भर्ती में नौकरी से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा कर सभी सुविधाएं देगी। अखिलेश ने महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर बुधवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महारानी दुर्गावती की सोने की प्रतिमा लगाई जाएगी। जनगणना के आधार पर आदिवासियों को हक व सम्मान मिलेगा। आदिवासियों को दो फीसदी आरक्षण, नर्सरी से स्नातकोत्तर तक मुफ्त पढ़ाई व लैपटॉप देने का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि पीडीए में 'ए' का अर्थ आदिवासी है।

भ्रष्टाचार ही भाजपा का धर्म

अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार भाजपा का धर्म बन गया है। अयोध्या में जमीनों में भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। धन ही भाजपा का धर्म है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में पूरे देश से जो चढ़ावा आया, उसकी लूट हुई है। इस चोरी के खुलासे से देश और दुनिया के सामने बहुत खराब संदेश गया है। अयोध्या में लोगों के विश्वास में सेंध लगी है। सीएम का बिना नाम लिए कहा कि जिन्होंने वहां सबसे ज्यादा बार दौरा किया, उन्होंने क्या किया।

यूपी के मुख्यमंत्री को हटाना चाहती है भाजपा

अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भूमि सौदों को लेकर लगे आरोपों पर कहा कि भूमि संबंधी ये आरोप भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं। भाजपा इन आरोपों के जरिये अपने ही मुख्यमंत्रियों की छवि खराब कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को हटाने की योजना के तहत यह पूरा घटनाक्रम सामने लाया जा रहा है। भाजपा सरकारों के इंजन आपस में टकरा रहे हैं।

आजम खां के जौहर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन निरस्त

» संपत्तियों पर भी कसेगा आयकर का शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मंत्री आजम खां और उनके परिजनों की जौहर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन आयकर विभाग ने निरस्त कर दिया है। विभाग ने ट्रस्ट को अपना पक्ष प्रस्तुत करने एवं स्पष्टीकरण देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया था, जिसके बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की है।

बता दें कि वर्ष 2023 में जौहर ट्रस्ट पर आयकर विभाग के छापों में ट्रस्ट द्वारा की गईं गड़बड़ियों की गहन जांच के बाद रजिस्ट्रेशन निरस्त किया गया है। जां में ट्रस्ट की गतिविधियां अवास्तविक पाई गईं, जो पंजीकरण की शर्तों का उल्लंघन था। आयकर विभाग, लखनऊ के प्रधान आयुक्त (केंद्रीय) गौरव बॉथम ने बीते दिनों ट्रस्ट पर लगे तमाम आरोपों को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब दाखिल करने को कहा था।

सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट की ओर से इस बाबत कोई जवाब नहीं दिया गया, जिसके बाद बुधवार को रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया गया। इस बीच विभाग ने ट्रस्ट के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई तथा उसके बाद की विभागीय जांच के दौरान विभिन्न तथ्यों और दस्तावेजों का परीक्षण किया था, जिसमें ट्रस्ट के अभिलेख, लेखा-जोखा एवं अन्य सामग्री शामिल थी। इस दौरान तमाम अनियमितताएं और तथ्य मिले, जिनका संज्ञान लेकर आयकर विभाग ने जांच में शामिल किया और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की थी। साथ ही जौहर ट्रस्ट पर राज्य सरकार द्वारा की गई कार्रवाई, उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों और निष्कर्षों का भी संज्ञान लिया। बता दें कि इस प्रकरण की शिकायत भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने आयकर विभाग से की थी। ट्रस्ट द्वारा रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी (निजी) का निर्माण कराया गया था।

पूजा पाल बनाई गईं भाजपा में उपाध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम का एलान कर दिया है। भाजपा की नई टीम में ओबीसी को

तरजीह दी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा पूजा पाल और सुरेश राणा को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है।

नई लिस्ट में 19 उपाध्यक्ष और 8 महामंत्री शामिल हैं। इसी तरह पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। सरोज कुशवाह को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देवेंद्र सिंह किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। अशोक रावत अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रकाश पाल पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। दिनेश प्रताप सिंह मुख्य प्रवक्ता बनाए गए हैं। रोहित मिश्रा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

पंजाब के सीएम मान पर विपक्ष ने फिर तानी कमान

भाजपा और कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा 'सत्ता के नशे' में चूर हैं सीएम : चुघ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एकबार फिर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस नेताओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस्तीफ़े की मांग की है। यह मांग सिख गुरुओं की तस्वीरों के कथित अपमान वाले वीडियो को लेकर मचे विवाद के बीच की गई है। हरियाणा पुलिस द्वारा एक फ़र्ज़ी रिपोर्ट बनाने के आरोप में दो लोगों को पकड़े जाने के बाद, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बुधवार को भगवंत मान पर निशाना साधा।

पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो फ़र्ज़ी था। बीजेपी नेता ने मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। चुघ ने कहा कि जब श्री अकाल तख्त साहिब ने उन्हें अपमानजनक वीडियो के मामले में बुलाया था, तो उन्होंने इससे इनकार करते हुए कहा था कि यह वीडियो नकली है और ढ से बनाया गया है। भगवंत मान सत्ता के नशे में हैं। उन्होंने अकाल तख्त साहिब को चुनौती दी और एक झूठी रिपोर्ट पेश की है। भगवंत मान को देशद्रोही घोषित किया गया है... उन्हें पंजाब का CM बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उधर गुरुग्राम पुलिस ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े वायरल वीडियो मामले में कथित तौर पर फ़ोरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है; यह जानकारी गुरुग्राम के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस क्राइम, नवीन शर्मा ने दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों को वीडियो में हेरफेर करने के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

गलती के लिए पंजाब की जनता से माफी मांगनी चाहिए : वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी उनके इस्तीफे और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के इस्तीफे की मांग करती है क्योंकि उन्होंने गुरु के हितों के खिलाफ काम किया है। उन्हें इस गलती के लिए पंजाब की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए। इस बात से कि उनके अधिकारियों ने गुरुग्राम के एक होटल में बैठक की और अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाई, अकाल तख्त के उस फैसले की पुष्टि होती है जिसमें उन्हें 'गुरु द्रोही' (गुरु के खिलाफ काम करने वाला) करार दिया गया था।

अयोध्या में जमीनों की खरीद में महाघोटाला : संजय

» आप नेता ने एसआईटी चीफ को सौंपे सबूत के दस्तावेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह राम मंदिर को लेकर एकबार फिर भाजपा पर हमला बोला है। वे बृहस्पतिवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच समिति के मुखिया विजय विश्वास पंत के सामने पेश हुए और अयोध्या में जमीनों की खरीद में हुए घोटालों का सबूत दिया।

मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीनों की खरीद में महाघोटाला हुआ है। चार करोड़ की जमीन कुछ ही दिनों के बाद आठ करोड़ में खरीदी गईं और इसमें राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि महाघोटाले से जुड़े सबूत दस्तावेजों के रूप में एसआईटी को सौंप दिए गए हैं जिस पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है। अब देखते हैं कि क्या कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के नाम पर महाघोटाला हुआ है।एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बीच एक ऐसा तथ्य सामने आया है, जिसने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 में ट्रस्ट के गठन के कुछ ही महीनों बाद निजी ऑडिट फर्म ने दान प्रबंधन, आभूषणों के रिकॉर्ड, वित्तीय निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था में गंभीर खामियों की ओर संकेत कर सुधार की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद ध्यान नहीं दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक फर्म ने रिपोर्ट में कहा था कि वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए जरूरी अभिलेखों का अभाव है और प्रबंधन की जवाबदेही तय करने वाली स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था भी नहीं है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में भी चढ़ावे और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं, ऐसे में छह साल पुरानी इस ऑडिट रिपोर्ट को अपनी जांच का अहम आधार बन सकती है।

पंजाब में आप को विपक्ष करेगा साफ

कांग्रेस से लेकर भाजपा तक ने शुरू की तैयारी

- नीतीन नबीन के बाद राघव राज्य में करेंगे दौरे
- राहुल ने राज्य के नेताओं के कसे पेंच
- शिअद भी अपनी रणनीति पर जुटी
- सीएम मान जनता को अपने पाले में रखने की कवायद में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूरी ताकत के साथ पंजाब में सरकार चला रही आप को आगामी विस चुनाव-27 में मात देने के लिए राज्य की सभी विपक्षी पार्टियों ने अपने कील-कांटे दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। जहां कांग्रेस अपने दिग्गज नेताओं बाजवा व वड़िंग को मजबूत करने में लगी है और फिर से पांच साल पहले की तरह सरकार में वापसी की कवायद में जुटी है। तो वहीं शिअद व अन्य पार्टियां भी अपने को रणनीतिक रूप से तैयार करने में लग गई हैं। इन सबके बीच आप की मान सरकार राज्य की जनता की झोली सौगातों से भरकर अपनी सरकार को बरकरार रखने की तैयारी में जुटे हैं। इन सबके बीच भाजपा ने भी ताकत झोंक दी है।

जहां भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्य का दौरा कर चुके हुएं और अपनी पार्टी को जीत के लिए प्रेरित कर चुके हैं वहीं आप से भाजपा में आए सांसद राघव चड्ढा ने भी मोर्चा संभाल लिया है। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद पहली बार पंजाब का दौरा किया और भाजपा की अहम बैठक में भाग लिया। इस बैठक में 27 के विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति पर चर्चा हुई, जहां उन्हें भाजपा संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिले हैं, जो पंजाब की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम है।

आप छोड़ने वाले पांच राज्यसभा सदस्यों की परीक्षा

चड्ढा और गुप्ता के अलावा, आप के पांच और राज्यसभा सदस्यों संदीप पाठक, अशोक मित्तल, क्रिकेटर हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी ने अप्रैल में आप छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था। इन सबकी भी आगामी चुनाव में परीक्षा होगी। स्वाति मालीवाल को छोड़कर, बाकी छह सांसद ऊपरी सदन में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप छोड़ने के बाद, चड्ढा ने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की वजहें बताईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी का माहौल जहरीला हो गया था। साथ ही, उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से उन्हें उन मुद्दों पर बेहतर ढंग से काम करने में मदद मिलेगी जिनका वे समर्थन करते हैं। चूंकि आप के 10 में से सात राज्यसभा सांसदों ने एक साथ पार्टी छोड़ी (जो कुल संख्या का दो-तिहाई है), इसलिए संविधान की दसवीं अनुसूची (जिसे आम तौर पर दलबदल विरोधी कानून कहा जाता है) के तहत उनमें से किसी को भी अयोग्य नहीं ठहराया गया। अगर राघव चड्ढा या कोई अन्य सांसद अकेले ऐसा करते, तो दलबदल विरोधी कानून के तहत उनकी राज्यसभा सीट जाने का खतरा होता। हालांकि, यह नियम यहां लागू नहीं हुआ क्योंकि किसी विधायी पार्टी के दो-तिहाई सदस्यों ने दूसरी पार्टी में विलय कर लिया था।

अहम राजनीतिक घटनाक्रम

बैठक में उनकी मौजूदगी को एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। इससे संकेत मिलते हैं कि चुनावों से पहले उन्हें संगठन में कोई अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी प्रमुख नवीन ने बैठक में मौजूद नेताओं और सांसदों से जमीनी स्तर पर काम करने को कहा। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि 27 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने साफ किया कि हाल ही में पार्टी में शामिल हुए सांसदों को संगठन के भीतर चुनाव से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

पंजाब के युवा पर भाजपा की नजर

पंजाब के युवाओं की चिंताओं और बीजेपी से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछे गए कई सवालों का जवाब देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि हम सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। आप फैसला करें, और हम आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। युवाओं ने कई मुद्दों पर सवाल उठाए, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, राज्य पर कर्ज का बोझ, कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, उद्योगों का पलायन, कृषि संकट, पंजाब से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की कनेक्टिविटी, खेल, स्वास्थ्य सेवा और राज्य में केंद्र सरकार की योजनाओं का सीमित असर शामिल है। विस्तार से जवाब देते हुए नितिन नवीन ने कहा कि किसी भी राज्य या देश की तरक्की के लिए बुनियादी ढाँचे का विकास एक अहम पैमाना है, लेकिन यह कानून-व्यवस्था से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऐसी तरक्की तभी मुमकिन है जब सरकार की सोच साफ हो। उन्होंने कहा कि पंजाब के मौजूदा हालात उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की पुरानी स्थितियों जैसे ही हैं, जहाँ मजबूत शासन और सही सोच की वजह से अब सुधार हुआ है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब को घेरा

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब को विकास में पिछड़ा बताते हुए कहा कि राज्य पर 4 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज है और कानून-व्यवस्था चिंताजनक है। उन्होंने लुधियाना में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब को एक टिकाऊ रेवेन्यू मॉडल और मजबूत शासन की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र की योजनाओं का पूरा लाभ सुनिश्चित करने हेतु डबल-इंजन सरकार ही एकमात्र समाधान है। नवीन ने यूपी-बिहार के सुधार का हवाला देते

हुए बदलाव का आह्वान किया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब के लोगों की बड़ी उम्मीदों को देखते हुए, बीजेपी राज्य में बदलाव की लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पंजाब के अपने पहले दौरे के आखिरी दिन लुधियाना में युवा मिलनी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पंजाब के युवाओं से इस बदलाव में निर्णायक भूमिका निभाने का आग्रह किया। युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने पंजाब के युवाओं के नजरिए से वहाँ के मुद्दों को समझा है।

कांग्रेस में नेताओं को एकजुट करने की कवायद

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 27 विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस के पांच नेताओं के साथ अहम बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश कांग्रेस में चल रही गुटबाजी को समाप्त करना था। राहुल ने वरिष्ठ नेताओं को एकजुटता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद चरणजीत सिंह चन्नी और विजय इंदर सिंगला समेत अन्य नेता शामिल थे। बाजवा ने बताया कि राहुल गांधी ने सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। संगठनात्मक बदलाव का फैसला राहुल गांधी पर छोड़

दिया गया है। पंजाब की जनता कांग्रेस को एक और अवसर देने के लिए तैयार है। उन्होंने 24 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन का हवाला दिया। कांग्रेस ने तब 14 में से 8 संसदीय सीटें जीती थीं, जिनमें सात पंजाब की थीं। बाजवा के अनुसार, एकजुट होकर कांग्रेस 27 के विधानसभा चुनाव में 70 से 80 सीटें जीत सकती है। पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बताया कि यह बैठक 27 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए थी। सभी नेताओं ने इसमें अपनी राय रखी। वड़िंग ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान नितिन नबीन के पंजाब दौरे पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा का पंजाब में जबरदस्ती करने का सपना पूरा नहीं होगा। पंजाब के लोग ऐसी किसी भी जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं करेंगे। पार्टी में प्रधान पद में बदलाव को लेकर भी चर्चा चल रही है। सांसद चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम पर विचार हो रहा है। पार्टी आलाकमान इन दोनों नामों पर गहन मंथन कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी खत्म करना पार्टी आलाकमान के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। पार्टी ने गुटबाजी पर सख्त रुख अपनाया है। राहुल ने पहले भी पंजाब दौरे के दौरान चेतावनी दी थी कि जो नेता काम नहीं करेगा, उसे घर बैठा दिया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एआई के घातक पहलू पर ध्यान देना जरूरी

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। जहाँ एक ओर यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और नए प्रकार के व्यवसायों को जन्म देने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह निम्न और मध्यम कौशल वाले श्रमिकों के लिए एक बड़ा विस्थापन संकट भी पैदा कर रही है।

आजकल हर तरफ एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की ही बाते छाई हैं। जहां यह आधुनिक तकनीकी समाज व मनुष्य का लाभ पहुंचाने में कारगर हे वही इसके साइड इफेक्ट भी हैं। यहां जंहा पर्यावरण को प्रभावित करेगा वहीं आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कृत्रिम मेधा का प्रभाव रोजगार के बाजारों पर अत्यंत गहरा और बहुआयामी होने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। जहाँ एक ओर यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और नए प्रकार के व्यवसायों को जन्म देने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह निम्न और मध्यम कौशल वाले श्रमिकों के लिए एक बड़ा विस्थापन संकट भी पैदा कर रही है। क्या हमारी शिक्षा प्रणालियां और कौशल विकास कार्यक्रम इस गति से परिवर्तित हो रहे हैं कि वे भविष्य की कार्यशक्ति को इस नई व्यवस्था के अनुकूल बना सकें? यह प्रश्न अनुत्तरित है क्योंकि विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन आज भी एक कठोर वास्तविकता है।

जब तक हम एक समावेशी तकनीकी ढांचे का निर्माण नहीं करते, तब तक कृत्रिम मेधा केवल वैश्विक असमानता को बढ़ाने का एक माध्यम बनकर रह जाएगी। इसके अतिरिक्त, एआई मॉडल्स के भीतर मौजूद एल्गोरिथमिक बायस या पक्षपात एक और बड़ा संकट है, जो ऐतिहासिक डेटा के आधार पर लिंग, जाति और राष्ट्रीयता के प्रति पूर्वाग्रहों को अनजाने में सुदृढ़ कर रहा है। तकनीकी सुरक्षा और स्वायत्त हथियारों का मुद्दा कृत्रिम मेधा के सबसे भयावह संकटों में से एक है। लीथल ऑटोनॉमस वेपन्स सिस्टम्स या स्वायत्त घातक हथियार प्रणालियों का विकास वैश्विक शांति के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। जब युद्ध के मैदान में जीवन और मृत्यु का निर्णय एक एल्गोरिदम द्वारा लिया जाने लगेगा, तो मानवीय उत्तरदायित्व और युद्ध के अंतरराष्ट्रीय कानूनों का क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र और कई वैश्विक मानवाधिकार संगठनों ने इस पर नियंत्रण की अपील की है, लेकिन हाशक्तियों के बीच एआई की प्रतिस्पर्धा ने एक नई डिजिटल शीत युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। यह तकनीकी रेस हमें एक ऐसे बिंदु पर ले जा सकती है जहाँ नियंत्रण की लगाम मानव के हाथ से निकलकर मशीनों के पास चली जाए। सुरक्षा का अर्थ केवल भौतिक हथियारों से नहीं है, बल्कि डेटा की गोपनीयता और एल्गोरिदम के माध्यम से किए जाने वाले बिहेवियरल मैनिपुलेशन या व्यवहारिक हेरफेर से भी है। बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिस प्रकार डेटा का एकत्रीकरण कर रही हैं, वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता को एक संकीर्ण घेरे में बंद कर रहा है।

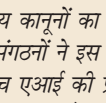

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शेखी बघारते पाक को बिसार आगे बढ़ने का समय

ज्योति मल्होत्रा

छह माह के अंतराल में, 'धुरंधर' और 'मैं वापस आऊंगा' हमारी सिनेमा स्क्रीन पर छा गईं। इन दोनों फिल्मों के विषयवस्तु में जमीन-आसमान का फर्क होने के बावजूद, एक सवाल लगातार मन में कौंधता है कि आम उत्तर भारतीय के मानस में पाकिस्तान को लेकर इतना गहरा जुनून क्यों बना हुआ है? भारत के जाने-माने मनोवैज्ञानिक आशीष नंदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा जाए, न कि लेखनी को, पाकिस्तान को एक आदर्श 'जिगरी दुश्मन' कहा जा सकता है। 1947 में जन्म होते ही अलग हुए इन दो देशों के बीच हुआ बंटवारा इतना हिंसक और क्रूर था कि स्वाभाविक तौर पर बाद की हरेक चीज पर इसका साया बना रहा। दोनों मुल्कों के लिए, एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने के केवल दो ही रास्ते हो सकते थे- आपसी माफी या फिर डटकर दुश्मनी।

अब जबकि भारत अपने अस्तित्व के 80वें साल में प्रवेश कर रहा, हमारे यहां अलग-अलग समय पर इन दोनों दृष्टिकोणों पर विचार किया जाता रहा है। इम्तियाज अली अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के जरिए पहले रास्ता चुनकर मंथन करने की कोशिश करते दिखाई दिए हैं, जबकि आदित्य धर ने अपनी दोनों 'धुरंधर' फिल्मों में यह काम दूसरे विकल्प के जरिये किया। दोनों ही अपने-अपने उद्देश्य में कुछ हद तक सफल रहे हैं, लेकिन पूरी तरह फिर भी नहीं। पिछले कई दशकों तक स्थिति कमोबेश ठीक-ठाक रही जब भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्ध, छद्म युद्ध और टकराव जीते-चाहे मैदान पर हों या मैदान के बाहर। यूं, हर बार भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ी; आतंकवादी हमलों में आम नागरिकों और सैनिकों की जान गई, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती राज्यों में। ये हमले हर बार गहरे जख्म देते हैं क्योंकि पुराने घावों को फिर हरे कर देते है, जो कभी पूरी तरह भरे ही नहीं। इसीलिए पाकिस्तान को हराने से, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है, जो राष्ट्रीय राहत या सुकून मिलता है, वह अनमोल है। हम जानते हैं कि भारत पुन: उभरेगा। हम एक विशाल राष्ट्र हैं, हमारा जीडीपी बेहतर है, हमारे पास आईटी कंपनियां हैं और निश्चित रूप से, बॉलीवुड भी।

इस्लामिक गणराज्य के विपरीत, हम सुचारू लोकतंत्र हैं, भले उसमें कुछ कमियां हैं, और निश्चित रूप से फहमीदा रियाज के दावे के मुताबिक 'एक-दूसरे जैसे' नहीं। 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने कहा था, 'तुम तो बिल्कुल हम जैसे निकले, भाई'। बिल्कुल नहीं, बहन! संभव है इस मोड़ पर आशीष नंदी प्रतीक रूप में सवाल उठाएं कि हम इस बात की परवाह क्यों करते हैं कि हम एक-दूसरे जैसे हैं या नहीं। या यह बात इतनी अहम क्यों है कि पाक सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर, डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' हैं; या अमेरिका-ईरान समझौते को 'इस्लामाबाद संधि' कहा जाए (ईरानी ऐसा कह रहे हैं, अमेरिकी नहीं); या फिर इस पर कि अमेरिका-ईरान संकट में पाकिस्तान को आधिकारिक तौर पर 'मध्यस्थ' बताया जाए। पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया संकट का इस्तेमाल विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने में बहुत बढ़िया ढंग से किया। उसने चीन, सऊदी अरब और ईरान से अपनी दोस्ती का चतुराई से इस्तेमाल करते हुए एक वैश्विक समझौता सिरे चढ़वा दिया-भले ही समझौते को आखिरी मुकाम तक पहुंचाने में जोर लगाने के लिए बीते कुछ हफ्तों में कतर की मदद लेनी पड़ी। पाकिस्तान ने नतीजे पाने के लिए अपने तमाम संबंधों का इस्तेमाल किया,उसने वॉशिंगटन डीसी में ईरान का प्रतिनिधित्व किया, जो वह 1979 की क्रांति के बाद से करता रहा है, और इस नाते का भरपूर फ़ायदा उठाया। उसने चीन के साथ अपने 'आश्रित राष्ट्र' वाले दर्जे का इस्तेमाल करते हुए, रूस समेत हर जगह बातचीत की राह आसान करवाई। उसने सऊदी अरब, जो अमेरिका का अहम सहयोगी है और जिसके साथ पाक का 'फौलादी भाईचारा' है, उसे भी साथ लिया, ताकि जरूरत पड़ने पर चूड़ियां कसवाई जा सकें। पाकिस्तानियों ने यह खेल उत्कृष्टता से खेला, ठीक वैसे ही, कि एक कमजोर देश,जिसके पास खोने के लिए सब कुछ है, वे ऐसा ही करते हैं। इसका मतलब है कि भारत को रावलपिंडी के पाकिस्तानी जनरलों द्वारा निभाई भूमिका को स्वीकार कर लेना चाहिए, क्योंकि कोई शक नहीं कि यह अभियान फील्ड मार्शल मुनीर का ही चलाया हुआ था, इस काम में उनके विदेश मंत्रालय के कुशल राजनयिकों ने भी मदद की।

भारत को यह प्रसंग पीछे छोड़ आगे बढ़ जाना चाहिए, क्योंकि मजबूत देश, जिनके पास पाने के लिए बहुत कुछ हो, ऐसा ही करते हैं। पश्चिम एशिया के इस संकट से हम सभी कई सबक सीख सकते हैं। पहला तो साफ है- अगर कोई देश अपना असर दिखाना चाहता है, तो उसे सभी पक्षों से बात करनी चाहिए, जैसा कि पाकिस्तान ने किया।

संपूर्ण दवा सुरक्षा शृंखला को कीजिए मजबूत

चंद्रकांत लहरिया

अक्टूबर,25 में, मध्य प्रदेश के एक जिले में संदूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों ने देश को झकझोर दिया था। अब, जून, 2026 में, भारत सरकार ने कुछ नियम बदले हैं और 'शेड्यूल के' से सभी सिरप को अनुमति सूची से हटा दिया है।'शेड्यूल के' में गांवों या ऐसी जगहों पर, जहां पर आबादी एक हजार से कम है, गैर-फार्मेसी दुकानों पर भी सिरप बिक्री को मंजूरी थी। अब पूरे देश में, दवा युक्त सिरप आम दुकानों पर नहीं रखी जा सकती और उनकी बिक्री डॉक्टर की पर्ची पर होना अनिवार्य है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी के बाद जांच हुई और कुछ नियामक पहल हुई। इस घटना की याद ने नीतिगत फैसले को आकार दिया है।

हालांकि, इसे मोटे तौर पर कफ सिरप की बिक्री के लिए डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य किए जाने के फैसले के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन सच तो यह है कि ज्यादातर दवा युक्त कफ सिरपों में (हर्बल सिरप को छोड़कर) ऐसे तत्व होते हैं, जिनकी खरीद या बेचने से पहले डॉक्टर की पर्ची की अनिवार्यता हमेशा से थी। मगर, पालन नहीं किया जाता था। यह नीतिगत फैसला स्पष्ट रूप से पर्ची की अनिवार्यता को सुदृढ़ करता है। सभी सिरपों में, भारत में सबसे अधिक गलत इस्तेमाल कफ सिरप का होता है। कई लोग बीमारी की सही शिनाख्त करवाए बिना खुद से इन्हें खरीद लेते हैं, छूत से लगी सर्दी-खांसी में इनका इस्तेमाल करते हैं जबकि इनसे फायदा बहुत कम होता है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद यह छोटे बच्चों को बार-बार खुराक दी जाती है। धारणा बना ली कि मीठा तरल नुकसानदायक प्रतीत नहीं होता। कुछ सिरप फार्मूलों में एंटीहिस्टामाइन, डिकंजेस्टेंट, सिडेटिव, ओपिओइड या अल्कोहल जैसे तत्व होते हैं, जो फायदे के बजाय नुकसान अधिक पहुंचा सकते हैं। किशोरों और वयस्कों में भी कुछ किस्म के सिरप का गलत इस्तेमाल होता है। पर्ची की अनिवार्यता बनने से लोग आसानी से इन्हें नहीं खरीद पाएंगे, पहले डॉक्टर से मिलना जरूरी हो जाएगा। फिर भी, यह कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। कई परेशान माता-पिता के लिए बच्चे की खांसी चिंताजनक हो जाती है, डॉक्टर के पास जाने पर अगर सिरप न लिखा जाए तो अक्सर लगता है कि इलाज अधूरा रह गया।

मरीज अक्सर कफ सिरप लिखने की मांग करते हैं और अगर डॉक्टर मना कर दे, तो कुछ परिवार किसी दूसरे डॉक्टर का रुख करते हैं, जो इसे लिख दे। पुरानी पर्चियों को भी संभालकर रखा जाता है और मिलते-जुलते लक्षणों के लिए वही दवा दोबारा खरीदने में इस्तेमाल किये जाते हैं। ऐसे हालात में, नियमों में यह बदलाव गलत इस्तेमाल को कम कर सकता है, पर्ची की अनिवार्यता होने को मजबूत करता है और गलत इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले व्यवहार को बदल सकता है। बेशक, यह बदलाव स्वागतयोग्य है, लेकिन काफी नहीं है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी मुख्य रूप से डॉक्टर की पर्ची न होने के कारण नहीं हुई थी। यह बच्चों तक संदूषित उत्पाद पहुंचने के कारण हुई।

जब डायथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल-वे औद्योगिक रसायन, जो दवाओं में कदापि नहीं होने चाहिए-किसी सिरप में मिला दिए जाएँ, तो यह व्यवस्था-तंत्र की विफलता है, जिसकी जिम्मेदारी ऊपर स्तर पर बैठे नियामकों की है। इसमें कच्चे माल की खरीद, परीक्षण, लाइसेंसिंग, निरीक्षण और बाजार से उत्पाद हटाने जैसी प्रक्रियाओं की प्रभावी निगरानी आवश्यक होती है। डॉक्टर की परामर्श पर्ची उपयोग को तो नियंत्रित कर सकती है, लेकिन संदूषित खेप को सुरक्षित नहीं बना सकती। अन्य देश इस बाबत उपयोगी सबक हो सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में, खांसी और जुकाम की कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के उपलब्ध हैं, लेकिन नियामक दो साल से कम उम्र के बच्चों में इनके उपयोग पर चेतावनी देते हैं, और निर्माता आमतौर पर चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयोग के खिलाफ लेबल पर लिखा होता है। यूनाइटेड किंगडम में, कई खांसी और जुकाम की दवाएं छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं हैं, जबकि छह से बारह वर्ष की आयु के बच्चों में उनका उपयोग स्वास्थ्य कर्मी की देख-रेख में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने भी छोटे बच्चों में इसके उपयोग को हतोत्साहित किया है और लेबल पर बाकायदा चेतावनी छापने को कड़ा कर रखा है। ये देश दुर्घटना अवसर घटाने के लिए केवल डॉक्टर की पर्ची पर निर्भर नहीं हैं।

वे आयु प्रतिबंध, चेतावनी लेबल, डाक्टरी परामर्श, विष नियंत्रण प्रणाली, प्रतिकूल घटना पर त्वरित सूचना और निगरानी उपायों का उपयोग करते हैं। भारत को एक बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की दवाइयां न तो लिखी जानी चाहिए और न ही दी जानी चाहिए, सिवाय कुछ दुर्लभ मामलों में विशेषज्ञ की सलाह पर। इनसे बड़े बच्चों के लिए, मानकीकृत देखभाल की शुरुआत, दिलासा देने, तरल पदार्थ देकर, जरूरत पड़ने पर बुखार नियंत्रण, सेलाइन ड्रॉप्स, एक साल की उम्र के बाद शहद देना और स्पष्ट चेतावनी संकेतों को बूझना, जिन्हें चिकित्सकीय ध्यान की आवश्यकता है, जैसे उपायों से हो सकती है। माता-पिता को यह पता होना चाहिए कि ज्यादातर खांसी एक संक्रमण रोग है, अपने आप ठीक हो जाती है और इसके लिए सिरप की जरूरत नहीं होती। दूसरा, उत्पादन नियमों को और अधिक सुदृढ़ किया जाना चाहिए। प्रत्येक पी जाने वाली दवा, जिसमें ग्लिसरीन, प्रोपिलीन ग्लाइकॉल या सॉर्बिटोल जैसे सहायक पदार्थ शामिल होते हैं।

गर्मी में हेल्दी रहना है तो डाइट में शामिल करें सत्तू की ये डिशेज

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा और एनर्जी से भरपूर रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में सत्तू एक ऐसा देसी सुपरफूड है, जो स्वाद के साथ सेहत का भी पूरा ध्यान रखता है। बिहार, यूपी और झारखंड जैसे राज्यों में सत्तू का सेवन वर्षों से किया जाता रहा है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है, जो शरीर को लंबे समय तक एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद करता है। खास बात यह है कि सत्तू न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाता है। अगर आप गर्मियों में हल्का, हेल्दी और टेस्टी भोजन करना चाहते हैं, तो सत्तू से बनी रेसिपीज आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं।

सत्तू का शरबत

सत्तू का शरबत गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाला सबसे लोकप्रिय देसी ड्रिंक माना जाता है। इसे बनाने के लिए सत्तू में ठंडा पानी, नींबू का रस, काला नमक, भुना जीरा और थोड़ा हरा धनिया मिलाया जाता है। कुछ लोग स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें हरी मिर्च और प्याज भी डालते हैं। यह ड्रिंक शरीर को तुरंत एनर्जी देने के साथ डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है। तेज धूप और लू के मौसम में सत्तू का शरबत शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट को भी ठंडक पहुंचाता है।

लिट्टी-चोखा

लिट्टी-चोखा बिहार की पारंपरिक और सबसे प्रसिद्ध डिशों में से एक है। गेहूं के आटे की गोल लिट्टी के अंदर मसालेदार सत्तू भरा जाता है और फिर इसे धीमी आंच पर सेंका जाता है। इसे बैंगन, आलू और टमाटर के चोखे के साथ परोसा जाता है। ऊपर से देसी घी डालने पर इसका स्वाद और भी शानदार हो जाता है। यह डिश स्वाद के साथ-साथ पोषण से भी भरपूर होती है और लंबे समय तक पेट भरा रखती है।

सत्तू लड्डू

सत्तू के लड्डू स्वाद और सेहत का बेहतरीन कॉम्बिनेशन हैं। इन्हें बनाने के लिए सत्तू में देसी घी, गुड़, ड्राई फ्रूट्स और इलायची मिलाई जाती है। यह लड्डू शरीर को तुरंत एनर्जी देने का काम करते हैं। खासकर बच्चों और कमजोर लोगों के लिए यह काफी फायदेमंद माने जाते हैं। गर्मियों में कम थकान महसूस करने और शरीर को ताकत देने के लिए सत्तू लड्डू एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। जो हमारे शरीर को काफी फायदेमंद होता है।

सत्तू पराठा

सत्तू पराठा बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की बेहद पसंद की जाने वाली डिश है। इसकी स्टफिंग तैयार करने के लिए सत्तू में बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक, अचार का मसाला, धनिया पत्ती और मसाले मिलाए जाते हैं। इसके बाद इसे आटे में भरकर पराठा बनाया जाता है। घी या मक्खन के साथ खाया जाने वाला यह पराठा स्वादिष्ट होने के साथ काफी पौष्टिक भी होता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती।

सत्तू चीला

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे जरूरी मील माना जाता है। लेकिन कई बार जल्दबाजी में लोग सुबह नाश्ता बनाने के लिए समय नहीं निकाल पाते। तो अगर आप हेल्दी और हाई-प्रोटीन ब्रेकफास्ट चाहते हैं तो सत्तू चीला एक बेहतरीन विकल्प है। सत्तू यानी भुने चने का आटा प्रोटीन, फाइबर, आयरन, मैंगनीज और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे बनाने के लिए सत्तू में प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, धनिया और मसाले मिलाकर घोल तैयार किया जाता है। फिर तवे पर हल्का तेल डालकर चीले की तरह पकाया जाता है। यह डिश वजन कम करने वाले लोगों और फिटनेस पसंद लोगों के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है। सत्तू चीला स्वादिष्ट होने के साथ पचने में भी हल्का होता है।

हंसना मना है

दुकानदार: मैंने आपको दुकान की एक-एक चप्पल दिखा दी, अब तो एक भी बाकी नहीं है। महिला : वो सामने वाले डिब्बे में क्या है? दुकानदार : बहन, रहम कर थोड़ा, उसमें मेरा LUNCH है...

साइकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला भाईसाहब आप बहुत किस्मत वाले हो, आदमी : एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझे किस्मत वाला कह रहे हो? साइकिल वाला: आज छुट्टी है तो साइकिल चला रहा हूं नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

भिखारी- कुछ खाने को दे दे बेटा मैं बहुत लाचार हूं, आदमी- देखने में तो हट्टे-कट्टे हो फिर लाचार किससे हो.. भिखारी- अपनी आदत से?

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी.. और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

कहानी — हीरे की सही पहचान

एक जौहरी सकी असमय मृत्यु हो गई। उसके परिवार में पत्नी और उसका एक बेटा था। पैसों की कमी के चलते एक दिन मां ने बेटे को हीरों का हार दिया और कहा - इसे अपने चाचा की दुकान पर बेच दो। चाचा ने हार देखा और कहा- बेटा अभी बाजार मंदा चल रहा है, इस हार को बाद में बेचना। तुम्हें पैसों की जरूरत है तो अभी मुझसे ले लो। तुम चाहो तो मेरी दुकान पर काम भी कर सकते हो। अगले दिन से लड़का अपने चाचा की दुकान पर काम करने लगा। समय के साथ वह लड़का भी हीरों की अच्छी परख करने लगा था। वह असली और नकली हीरे को तुरंत ही पहचान लेता था। एक दिन उसके चाचा ने कहा- अभी बाजार बहुत अच्छा चल रहा है, तुम अपना हीरों का हार बेच सकते हो। लड़का अपनी मां से वह हार लेकर दुकान आ गया और चाचा को दे दिया। लड़के से उसके चाचा ने कहा- अब तो तुम खुद भी हीरों की परख कर लेते हो, इस हार को देखकर इसकी कीमत का अंदाजा लगा सकते हो। लड़के ने हार को ध्यान से देखा तो उसे मालूम हुआ कि हार में नकली हीरे लगे हैं और इसकी कोई कीमत नहीं है। चाचा ने कहा- मैं तो शुरू से जानता हूं कि ये हीरे नकली हैं, लेकिन अगर मैं उस दिन तुम्हें ये बात कहता तो तुम मुझे ही गलत समझते। तुम्हें यही लगता कि मैं ये हार हड़पना चाहता हूं, इसीलिए इसे नकली बता रहा हूं। तुम्हें उस समय हीरों का ज्ञान नहीं था। बुरे समय में अज्ञान की वजह से हम अक्सर दूसरों को ही गलत समझते हैं। विपरीत समय में हमारे ऊपर निगेटिविटी हावी हो सकती है, इससे बचने के लिए प्रभु की स्तुति में लगे रहें। भक्ति आपको कभी भी नकारात्मक अथवा कमजोर नहीं होने देगी। ऐसी स्थिति में की गई जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है, रिश्ते खराब भी हो सकते हैं। इसीलिए बुरे समय में धैर्य और प्रभु सुमिरन को ही चुने।

7 अंतर खोजें

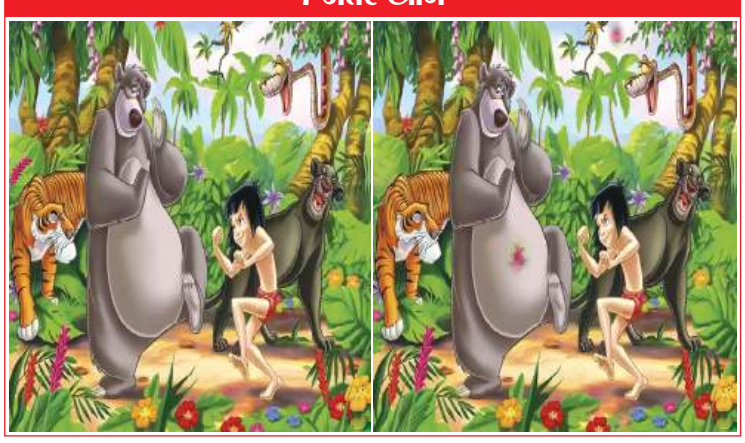

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे।

कन्या उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु आज धन के लेन-देन में ज्यादा जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल नहीं है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से मन में खिन्नता रहेगी।

मकर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

मीन उचित बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैटरनिटी के लिए छोटा ब्रेक ले रही हूं : सामंथा

बीते दिनों सामंथा के कुछ वायरल वीडियो देखकर अटकलें लगी थीं कि वह प्रेग्नेंट हैं। अब सामंथा ने खुद इस खबर की पुष्टि की है। यह खुशखबरी उन्होंने अपनी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के थैंक्स मीट के दौरान मीडिया और फैंस के साथ साझा की है। इसके बाद तो सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें बधाइयां देने लगे हैं। बुधवार देर रात सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के थैंक्स मीट से कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इनमें से एक में सामंथा कहती हैं, मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं।' यह कहकर वह मुस्कुराने लगती हैं। सामने बैठे पत्रकार, पैपराजी उन्हें बधाई देते हैं। सोशल मीडिया पर भी फैंस सामंथा के लिए खुश नजर आए, उन्हें ढेर सारी बधाई दी। वायरल वीडियो में सामंथा के चेहरे पर भी प्रेग्नेंसी ग्लो साफ नजर आ रहा था। सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक के बाद पिछले साल 1 दिसंबर 2025 को 'द फैमिली मैन' फेम निर्माता-निर्देशक राज निदिमोरू से शादी की। सामंथा ने राज के साथ द फैमिली मैन सीजन 2 (2021) और सिटाडेल: हनी बनी (2024) में काम किया है। इससे पहले दोनों के डेटिंग की खबरों ने भी काफी चर्चाएं बटोरी थीं। कपल ने कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादगी भरे अंदाज में शादी की थी। अब राज और सामंथ माता-पिता बनने वाले हैं। हाल ही में सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 33.20 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म में सामंथा ने जबरदस्त एक्शन सीन्स किए हैं।

24 जुलाई को रिलीज होगी खुशाली कुमार की फिल्म दुल्हनिया ले आएगी

खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं।

इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है।

मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

बुधवार को कॉकटेल ने किया पांच करोड़ का कलेक्शन

शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर कॉकटेल 2 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमाम नई और कुछ हफ्ते पुरानी फिल्मों से मुकाबला करने के बावजूद ये रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। हालांकि वीकडेज में इसकी कमाई में मंदी भी आई है लेकिन ये अब भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है।

इस साल की बड़ी हिंदी सीक्वल फिल्मों में से एक, कॉकटेल 2 पिछले शुक्रवार को रिलीज़ हुई थी। कृति सेनन, रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म को सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद मिले-जुले रिव्यू मिले थे। इसके बावजूद, रिलीज के पहले वीकेंड के दौरान फिल्म ने कमाई में उछाल दिखाते हुए बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म किया। हालांकि वीकडेज में इसकी कमाई की रफ्तार भी धीमी हुई और कलेक्शन घटा फिर भी ये हर दिन खूब नोट छाप रही है। कॉकटेल 2 के कलेक्शन की बात करें तो इसने पहले दिन 13.25 करोड़ से खाता खोला था। दूसरे दिन इसने 16.25 करोड़ और तीसरे दिन सबसे ज्यादा 17.75 करोड़ कमाए। इसके बाद चौथे दिन इसके कलेक्शन मे मंदी आई और इसने 6.75 करोड़ कमाए। वहीं पांचवें दिन इसने मामूली गिरावट के साथ 6.65 करोड़ कमाए। अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुकाबिक कॉकटेल 2 ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 5 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ इसकी 6 दिनों की कुल कमाई अब 66 करोड़ रुपये हो गई है। 'कॉकटेल 2' का बजट 150 करोड़ बताया जा रहा है। इस फिल्म ने रिलीज के 6 दिनों में 66 करोड़ की कमाई कर ली है। ऐसे में इस फिल्म ने अपनी लागत का 44 फीसदी वसूल किया है।

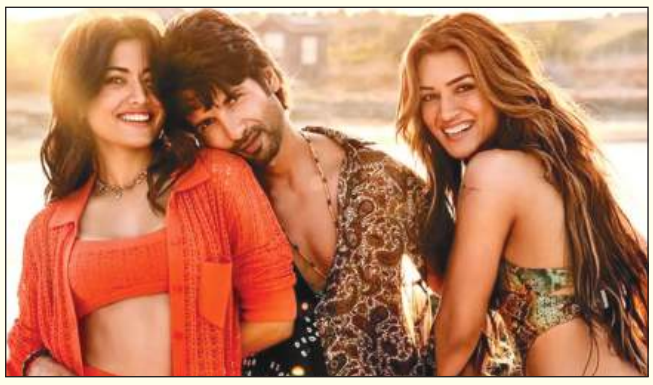

अजब-गजब | देश-विदेश में स्नेक विलेज के नाम से मशहूर है यह गांव

यहां जहरीले कोबरा के साथ सोते हैं लोग

आमतौर पर लोग सांप देखते ही दहल जाते हैं, खासकर जहरीले कोबरा को देखकर तो लोग भाग खड़े होते हैं। लेकिन महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्थित शेतपाल गांव इस सोच को पूरी तरह चुनौती देता है। यहां के लोग जहरीले कोबरा सांपों के साथ एक ही घर में रहते हैं, उनके साथ सोते हैं और बच्चे उनके साथ खेलते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि सदियों पुरानी इस परंपरा में आज तक एक भी सांप काटने का मामला दर्ज नहीं हुआ है।

शेतपाल गांव पुणे से करीब 200 किलोमीटर दूर मोहोल तालुका में बसा है। यहां हर घर में सांपों के लिए खास जगह बनाई जाती है, जिसे देवस्थान या देवघर कहा जाता है। यह एक छोटा सा कमरा या दीवार में बनाया गया आला होता है जहां सांप स्वतंत्र रूप से आते-जाते रहते हैं। गांववाले इन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं और उन्हें भोजन भी चढ़ाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह परंपरा सदियों पुरानी है। वे मानते हैं कि सांप भगवान शिव का रूप हैं इसलिए उन्हें नुकसान पहुंचाना पाप है। सांप भी गांववालों को अपना परिवार समझते हुए कभी हमला नहीं करते। इस गांव में कोबरा, वाइपर और अन्य सांपों की भरमार है लेकिन कोई डर नहीं है। बच्चे स्कूल जाते समय, घर में खेलते समय या सोते समय भी सांपों को सहजता से देखते हैं। एक गांववासी ने बताया,

हमारे यहां सांप मेहमान की तरह आते हैं। हम उन्हें जगह देते हैं, दूध-फल चढ़ाते हैं। वे भी हमें कभी नहीं काटते। यह हमारी आस्था और विश्वास का नाता है। वैज्ञानिक और वन्यजीव विशेषज्ञ इस घटना का अध्ययन कर चुके हैं लेकिन पूरा रहस्य अभी भी अनसुलझा है। कुछ का मानना है कि सांपों को यहां नियमित भोजन मिलने और उन्हें परेशान ना किए जाने के कारण वे आक्रामक नहीं होते। गांव में सांपों के साथ रहने की परंपरा इतनी गहरी है कि यहां शादी-ब्याह, त्योहार या कोई भी शुभ कार्य सांपों की मौजूदगी में ही होता है। लोग कहते हैं कि अगर सांप घर छोड़कर चला जाए तो उसे अशुभ माना जाता है। कई बार सांप घर के अंदर घूमते दिख जाते हैं लेकिन परिवार के सदस्य उन्हें शांति से देखते रहते हैं। यह गांव देश-विदेश में स्नेक विलेज या सांपों का गांव के नाम से मशहूर है।

पर्यटक दूर-दूर से आकर इस अनोखे सह-अस्तित्व को देखने आते हैं। हालांकि गांववासी पर्यटकों से भी सांपों का सम्मान बनाए रखने की अपील करते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया में इंसान और वन्य जीवों के बीच ऐसे सहजीवन के उदाहरण बहुत कम हैं। शेतपाल इस बात का प्रमाण है कि अगर प्रकृति के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तो हिंसक जीव भी शांतिपूर्ण रह सकते हैं। गांव में सांप काटने का कोई रिकॉर्ड ना होने के कारण डॉक्टर और वैज्ञानिक भी हैरान हैं। कुछ अध्ययनों में पाया गया कि यहां के सांपों में आक्रामकता कम है क्योंकि उन्हें कोई खतरा महसूस नहीं होता। फिर भी विशेषज्ञ चेताते हैं कि बाहर के लोग इस बात की नकल ना करें क्योंकि सांपों का व्यवहार हर जगह अलग हो सकता है।

शेतपाल गांव की यह परंपरा पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति सम्मान का अनुपम उदाहरण है। आधुनिक युग में जहां जंगलों का कटान और वन्यजीवों का शोषण आम है, वहां यह गांव हमें सिखाता है कि सह-अस्तित्व संभव है। आज भी गांव के बच्चे सांपों को देखकर नहीं भागते बल्कि उन्हें मामा या परिवार का सदस्य कहकर पुकारते हैं।

सबसे घिनौने घर में रहती है ये मछली, मकान मालिक की ही ले लेती है जान, चबा जाती है शरीर!

समुद्र की गहराइयों में छिपी प्रकृति की अनगिनत रहस्यमयी कहानियां हमें बार-बार चौंकाती रहती हैं। लेकिन इनमें से एक है पर्लफिश की कहानी, जिसे वैज्ञानिक दुनिया की सबसे घिनौनी और विचित्र मछली मानते हैं। यह मछली दूसरे जीव के शरीर में घुसकर रहती है, उसका घर बनाती है और अंत में उसी जीव को खाकर मार डालती है। पर्लफिश मुख्य रूप से कैरिबियन सागर और प्रशांत महासागर की गहराइयों में पाई जाती है। इसकी खासियत यह है कि यह समुद्री खीरे नामक जीव के अंदर रहना पसंद करती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह मछली समुद्री खीरे के गुदा द्वार से अंदर घुस जाती है। अंदर पहुंचकर वह वहीं अपना घर बना लेती है और मेजबान के आंतरिक अंगों को खाना शुरू कर देती है। वैज्ञानिकों के अनुसार पर्लफिश एक परजीवी है। जब यह छोटी होती है तब समुद्री खीरे के अंदर घुसती है। अंदर रहते हुए यह मछली मेजबान की सांस की नली, अंडकोष और अन्य नरम अंगों को खाती रहती है। धीरे-धीरे समुद्री खीरा कमजोर पड़ जाता है और मर जाता है। एक बार मेजबान मर जाने के बाद पर्लफिश दूसरा समुद्री खीरा ढूंढ लेती है। यह मछली करीब 20-30 सेंटीमीटर लंबी होती है और उसका शरीर पारदर्शी व चिकना होता है, जिससे वह आसानी से अंदर घुस सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पर्लफिश को समुद्री खीरा बहुत पसंद है क्योंकि उसका शरीर नरम और सुरक्षित होता है। समुद्री खीरा जब खतरे को महसूस करता है तो अपना पूरा शरीर सिकोड़ लेता है, लेकिन पर्लफिश पहले ही अंदर घुस चुकी होती है। समुद्र जीव विज्ञान के विशेषज्ञों ने इस मछली का अध्ययन किया है। उन्होंने पाया कि पर्लफिश कभी-कभी समुद्री खीरे के मुंह से भी अंदर जा सकती है लेकिन ज्यादातर मामलों में गुदा द्वार से प्रवेश करती है। अंदर घुसने के बाद वह उल्टी दिशा में मुड़ जाती है ताकि उसका मुंह बाहर की ओर रहे और सांस ले सकें। यह रिश्ता प्रकृति के सबसे अजीब सहजीवन में से एक है, लेकिन ज्यादातर इसे परजीविता कहा जाता है क्योंकि मछली मेजबान को नुकसान पहुंचाती है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि पर्लफिश समुद्री खीरे के अंदर रहकर उसके अंग खाती है लेकिन कभी-कभी मेजबान को मारने के बाद भी अंदर रह सकती है। दुनिया भर के समुद्री जीव वैज्ञानिक इस मछली को दुनिया का सबसे घिनौना घर कहते हैं।

अडानी समूह के एजीएम -2026 में गौतम अडानी शेयरधारकों से बोले-

ना हम झुके हैं और ना ही रुके हैं

» बोले- इंटेलिजेंस नेतृत्व क्षमता को बढ़ाता है

» 25 हजार करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू जारी करना हमारी विश्वसनीयता की एक बड़ी कसौटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने अपने शेयरधारकों एकबार फिर वादा किया है कि वह कभी रुके, न कभी झुके, मुश्किल समय में भी मजबूती से खड़े रहे हैं। अडानी ग्रुप की 34वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में शेयरहोल्डर्स को संबोधित करते हुए, अरबपति उद्योगपति ने इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकास की रीढ़ की हड्डी बताया। इसमें सड़कें, बंदरगाह, हवाई अड्डे, पावर प्लांट, ट्रांसमिशन नेटवर्क, रिन्यूएबल एनर्जी पार्क, गैस पाइपलाइन, लॉजिस्टिक्स हब, जल प्रणालियां और औद्योगिक इकोसिस्टम जैसी संपत्तियां शामिल हैं। अडानी ने कहा कि एजीएम-2026 में कहा कि कठिनाइयों के बावजूद ग्रुप कभी नहीं रुका और भारत के भविष्य पर अटूट विश्वास बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि किसी भी समूह के सफर में कुछ साल ऐसे आते हैं, जो सिर्फ एक पड़ाव नहीं होते, बल्कि उसकी पहचान बन जाते हैं। ऐसे साल, जो अपने विश्वास की ताकत को साबित करते हैं, जो हर चुनौती के बीच मजबूती से खड़े रहने का हौंसला दिखाते हैं और जो यह फर्क स्पष्ट करते हैं कि कौन लोग हालात सुधरने का इंतजार करते हैं और कौन मुश्किल समय में भी आगे बढ़ते हुए नया निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 आपके समूह के लिए ऐसा ही एक साल रहा। जब दुनिया पहले से ज्यादा जटिल होती गई, ऊर्जा सुरक्षा फिर से देशों की प्राथमिकता बन गई और तकनीक किसी भी देश की ताकत और आत्मनिर्भरता का अहम् हिस्सा बन गई।

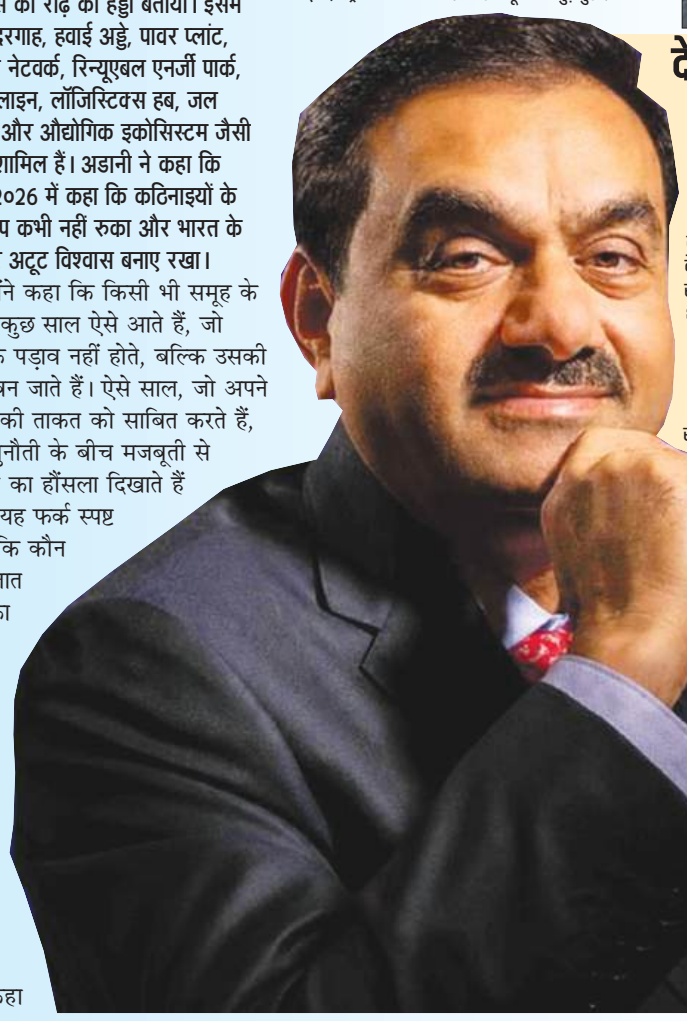

चेयरमैन बोले- इन्फ्रास्ट्रक्चर देश की रीढ़

भविष्य के आने का इंतजार नहीं अभी से सभी तैयारी

आज हम दुनिया की उन चुनिंदा कंपनियों में शामिल हैं, जो भविष्य के आने का इंतजार नहीं कर रहीं, बल्कि उसके लिए पहले से तैयार हैं। सच तो यह है कि हम वर्षों से इसी दिशा में अपनी तैयारी कर रहे थे। हमने बहुत पहले ही यह समझ लिया था कि दुनिया एक नए दौर में प्रवेश कर रही है, जहां भू-राजनीतिक समीकरण और जटिल होंगे, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं नए सिरे से आकार लेंगी और ऊर्जा सुरक्षा फिर से देशों की रणनीति के केंद्र में आ जाएगी। हमने यह भी देखा कि तकनीकी नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की दौड़ में सबसे बड़ी चुनौती महत्वाकांक्षा की कमी नहीं होगी, बल्कि मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता होगी। इसी बात को मैं थोड़ा विस्तार से समझाना चाहता हूं। हमारी सबसे बड़ी ताकत इस बात में है कि हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के विभिन्न हिस्से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

तीन बुनियादी कदम उठाए

चेयरमैन ने कहा मैं उन तीन बुनियादी कदमों के बारे में बात करता हूं, जो हम ऐसे संगठन बनाने के लिए उठा रहे हैं, जो अगले दशक में हमारे विजन को हकीकत में बदलेंगे। पहला- हम अपने काम करने के तरीके को आसान बना रहे हैं, हम अपने हेडक्वार्टर और साइट्स, दोनों जगहों पर तीन-स्तरीय स्ट्रक्चर लागू कर रहे हैं, ताकि अफसरशाही कम हो, जवाबदेही बेहतर हो और फैसले लेने और उन्हें लागू करने के बीच की दूरी कम हो। हर भूमिका, हर प्रोसेस और हर स्तर से कुछ न कुछ वैल्यू मिलनी चाहिए। जो काम मुख्य काम नहीं है, उन्हें हमारे जीसीसी या चुने हुए पार्टनर्स को सौंप दिया जाएगा। दूसरा- हम अपने कॉन्ट्रैक्टर्स के साथ काम करने का तरीका बदल रहे हैं। हम उन्हें देश-निर्माण में लंबे समय के पार्टनर के तौर पर देखते हैं। तीसरा- और सबसे अहम बात यह है कि हम अपने बदलावों में वर्कर की गरिमा को सबसे ऊपर रख रहे हैं। हमारे अपने और कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले लगभग 4 लाख लोगों में से करीब 85% लोग हमारी साइट्स पर जमीनी स्तर पर काम करते हैं। यही वे लोग हैं, जो हमारे प्लांट्स को हकीकत का रूप देते हैं, और हम प्रतिबद्ध हैं कि हर वर्कर के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, रहने की साफ-सुथरी जगह, साफ-स्वच्छ खाना, मेडिकल सुविधाएं, सुरक्षित माहौल और समय पर सही वेतन मिले।

देश के शानदार अध्याय अभी लिखे जा रहे

अडानी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा, 'अपने परिवारों से मैं कहना चाहता हूं कि हमारी सार्वजनिक कामयाबी के पीछे का बोझ आप ही उठाते हैं, आप हमें जमीन से जुड़े रहने की ताकत और आगे बढ़ते रहने के लिए भावनात्मक आधार देते हैं. भारत के प्रति, हम उस देश की सेवा करने के सौभाग्य के लिए बहुत आभारी हैं, जिसके सबसे शानदार अध्याय अभी लिखे जा रहे हैं और जिसके सबसे अहम पन्ने अभी आने बाकी हैं। तो आइए, यह साल ऐसा हो जब हमें हमारे किये कामों के लिए याद किया जाए. हमने तब निर्माण किया, जब निर्माण करना सबसे मुश्किल था, हमने तब भरोसा किया, जब भरोसा करना सबसे मुश्किल था, और हमने साबित किया कि हिम्मत और डटे रहना ही हमारे जीने का तरीका है।

शेयरहोल्डर्स के भरोसे, सब्र और हिम्मत के लिए धन्यवाद

इन्फ्रास्ट्रक्चर की गति व इंटेलिजेंस की ताकत से राष्ट्र निर्माण

अडानी ने राष्ट्र निर्माण की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष मेरे संबोधन का विषय है- इन्फ्रास्ट्रक्चर को गति देना तथा इंटेलिजेंस की ताकत का उपयोग करना। आज ये दोनों अलग-अलग प्राथमिकताएं नहीं रह गई हैं। ये ऐसे दो शक्तिशाली इंजन हैं, जो भारत की ताकत को नई दिशा देंगे, उसकी आत्मनिर्भरता को और मजबूत करेंगे तथा इस सदी की अग्रणी वैश्विक शक्तियों में शामिल होने की उसकी यात्रा को गति देंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर में सड़कें, पोर्ट्स, एयरपोर्ट्स, ट्रांसमिशन लाइन्स, पॉवर प्लांट्स, नवीकरणीय ऊर्जा पार्क, गैस नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म, सीमेंट उत्पादन क्षमता, जल प्रबंधन प्रणालियां और औद्योगिक इकोसिस्टम जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर ही किसी देश की विकास यात्रा की मजबूत नींव तैयार करते हैं। इंटेलिजेंस में डेटा सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, प्रेडिक्टिव सिस्टम्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रियल-टाइम एनालिटिक्स और मशीन आधारित निर्णय सहायता जैसी क्षमताएं इन सभी परिसंपत्तियों को अधिक सक्षम, अधिक तेज और बदलती जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती हैं।

लेकिन, इन चुनौतियों के बाद भी आपका अडानी समूह एक अटूट विश्वास पर कायम रहा कि भारत की विकास यात्रा को थामकर नहीं रखा जा सकता। जब दूसरे लोग परिस्थितियों पर चर्चा कर रहे थे, तब समूह लगातार काम करता रहा। अपने शेयरहोल्डर्स से मैं कहना चाहता हूं कि आपके भरोसे, सब्र और हिम्मत के लिए धन्यवाद। आप न सिर्फ हमारी कामयाबी के समय में, बल्कि मुश्किल दौर में भी हमारे साथ खड़े रहे, आपका भरोसा ही हमारी ताकत है। बड़े पैमाने पर काम अकेले नहीं होता, यह सहयोग और इस साझा विश्वास से होता है कि भारत का आगे बढ़ना किसी एक संस्था से कहीं ज्यादा बड़ी बात है। ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में दुनिया के सबसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म के रूप में हमने अपने सफर को और आगे बढ़ाया। इसी विश्वास की एक झलक इस वर्ष की शुरुआत में लाए गए 25 हजार करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू में भी दिखाई दी। मेरे लिए यह सिर्फ पूंजी जुटाने का एक माध्यम नहीं था, बल्कि हमारी विश्वसनीयता की एक बड़ी कसौटी थी।

देश के इंफ्रास्ट्रक्चर पर किया रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च

गौतम अडानी ने ग्रुप द्वारा किए जा रहे निवेश की भारी-भरकम रकम के बारे में बताते हुए कहा, 'वित्त वर्ष 26 के दौरान हमारे ग्रुप ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर पर 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है. यह खर्च इस साल भारत में पूरे प्राइवेट सेक्टर द्वारा किए गए कुल नए निवेश का 30 प्रतिशत से भी अधिक था। यह निवेश केवल एक वित्तीय उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की ग्रोथ जर्नी में ग्रुप के गहरे और लंबे समय के भरोसे का प्रतीक है. इतनी बड़ी पूंजी का इस्तेमाल इस बात को साबित करता है कि हमारा ग्रुप देश के आर्थिक विकास के अगले चरण को मजबूत करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राम मंदिर चंदा विवाद की सुप्रीम सुनवाई 29 को

» कोर्ट से सीबीआई जांच की भी दी गई याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर चंदा विवाद में सुप्रीम कोर्ट एक जनहित याचिका पर 29 जून को सुनवाई कर सकता है। याचिका में चंदा विवाद में एफआईआर दर्ज करने और जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई है। वहीं विश्व हिंदू परिषद ने चंदा विवाद की जांच चार महीने में पूरी करने की मांग की है। याचिका को गुरुवार को तत्काल सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष पेश किया गया।

दायर याचिका में मांग की गई है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन और कार्यप्रणाली से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं एवं अन्य आरोपों की जांच सीबीआई के नेतृत्व वाली विशेष जांच टीम से कराई जाए।

बांग्लादेश से भारत का करो या मरो मुकाबला आज

» हारते ही खत्म हो जाएगा टी20 वर्ल्ड कप का सफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर से करो या मरो के चक्कर में फंस चुकी है। वह ऐसी ही सात महीने पहले घरेलू मैदान पर हुए वनडे वर्ल्ड कप में एलिमिनेशन की कगार पर खड़ी थी, लेकिन उसने वहां से वापसी करते हुए भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की और वर्ल्ड चैंपियन बनीं। अब समय आ गया है कि टी20 वर्ल्ड कप में भी वैसा ही करिश्मा दोहराया जाए। हरमनप्रीत कौर की सेना गुरुवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

उस मैच में गेंदबाजों के पास बचाव के लिए पर्याप्त रन नहीं थे और फील्डिंग में हुई गलतियों ने भारत पर दबाव बढ़ा दिया था। पिछले मैचों में स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दी है, लेकिन मध्यक्रम की बल्लेबाजी चिंता का विषय बनी हुई है। कप्तान कौर और जेमिमा रोड्रिग्स अब तक अपनी लय में नजर नहीं आई हैं और उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत को बांग्लादेश के खिलाफ वैसी ही दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है, जैसा प्रदर्शन दक्षिण अफ्रीका के लिए मरिजान कैप ने किया था। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान पर मिली जीत से काफी उत्साहित है और उन पर भारत जैसा दबाव नहीं होगा। हालांकि, कागजों पर भारतीय टीम बांग्लादेश से काफी मजबूत नजर आती है, लेकिन सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए उसे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। भारत के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने का सबसे सुरक्षित रास्ता यह है कि वह अपने दोनों बचे हुए मैचों में बड़ी जीत हासिल करे।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी इंग्लैंड

लॉर्ड्स। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 38 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मेजबान टीम मौजूदा महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम भी बन गई। ग्रुप-दो के मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 186 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 148 रन ही बना सकी। डैनी व्याट-हॉज की शानदार अर्धशतकीय पारी और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने इंग्लैंड की जीत की नींव रखी। व्याट-हॉज को उनकी 65 रन की मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ इंग्लैंड महिला टीम ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए आठ अंकों के साथ ग्रुप-दो में शीर्ष स्थान बरकरार रखा और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वेस्टइंडीज छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी कायम हैं।

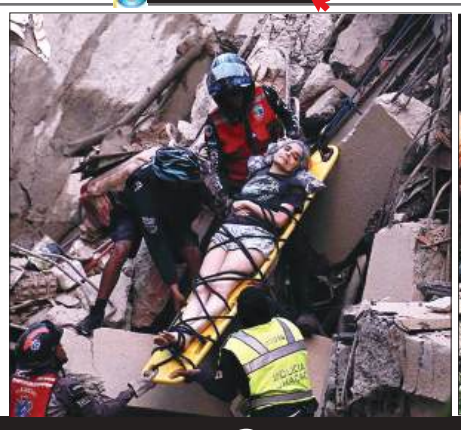

वेनेजुएला: चारों ओर तबाही का मंजर, लाशें हीं लाशें

» हजारों लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका
» हजारों इमारतें जमींदोज कारें व कीमती सामान मिट्टी का ढेर बनीं
» पूरी दुनिया ने शोक जताया सभी देशों ने भेजी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वेनेजुएला में एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से भारी तबाही हुई। राजधानी काराकास में कई इमारतें ढह गईं, एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने आपातकाल की घोषणा की है। राहत और बचाव कार्य जारी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हजारों लोगों के मारे जाने की आशंका है। राष्ट्रपति ने कहा है कि 32 से ज्यादा मौतों की पुष्टि हुई है। चारों तरफ तबाही के मंजर देखे जा सकते हैं। शहरों में इमारतें खंडहर हो गई हैं। उसके नीचे गाड़िया और लोगों के घर मलबे में दबे दिखाई दे रहें हैं।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने दुनिया भर से मिल रही मदद के लिए जताया आभार। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिल रही मदद और सहयोग के लिए वैश्विक नेताओं का धन्यवाद किया है। उन्होंने संकट की इस घड़ी में मानवीय सहायता और बचाव दल भेजने के फैसलों की सराहना की। रोड्रिगेज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के प्रति आभार जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा 'हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के आभारी हैं, जो वेनेजुएला के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं और इस त्रासदी के समय वेनेजुएला के लोगों को समर्थन और एकजुटता प्रदान कर रहे हैं, जिसने हमें शोक में डुबो दिया है।

विपक्षी नेता मारिया मचाडो का संदेश लोगों से एकजुट रहने की अपील

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने एक पर एक पोस्ट में देश में आए भूकंप पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'मुश्किल की इस घड़ी में मेरा असीम स्नेह और मेरी प्रार्थनाए वेनेजुएला के हर घर के साथ हैं। इस कठिन समय में हममें हिम्मत, शांति और एकजुटता बनी रहे। ईश्वर वेनेजुएला के हर नागरिक, हमारे परिवारों और हमारे घरों की रक्षा करे। आज हम पहले से कहीं ज्यादा एकजुट हैं।

दुनिया के नेताओं ने जताया दुख

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने वेनेजुएला में भूकंप से मची तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'वेनेजुएला में भूकंप से हुई तबाही पर मुझे गहरा दुख है। मैंने विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह काराकास स्थित ब्राजीली दूतावास के साथ मिलकर स्थिति का आकलन करे और हर संभव सहायता के उपाय तलाशे। दुख की इस घड़ी में ब्राजील, कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार और वहां के साहसी लोगों के साथ खड़ा है। हम प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में पूरा सहयोग देने का संकल्प दोहराते हैं।'

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों दुखी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करते हुए प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। मैक्रों ने लिखा, देश में आए भूकंप के बाद वेनेजुएला के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं और समर्थन। मैं पीड़ितों, उनके प्रियजनों और राहत कार्यों में लगे सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करता हूं।

दिल्ली में 3 मंजिला इमारत गिरने से कई लोगों के दबने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में गुरुवार सुबह एक पुराने तीन मंजिला मकान के तोड़फोड़ कार्य के दौरान उसका एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। महरौली के वार्ड नंबर 3 में स्थित करीब 400 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले इस पुराने मकान को एक बिल्डर ने खरीदा था। बिल्डर बहुमंजिला इमारत बनाने के लिए इसे ध्वस्त करा रहा था।

सुबह करीब 9:30 बजे इमारत का एक हिस्सा ढहने की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। ढहने की घटना से आसपास अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया और तोड़फोड़ से जुड़े ठेकेदार को मौके पर बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने बिल्डर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि काम बहुत जल्दबाजी और लापरवाही से कराया जा रहा था। उन्होंने बताया कि रात में भी बुलडोजर चलाए जा रहे थे। इस हादसे में क्षतिग्रस्त मकान के पीछे रहने वाले अनिल शर्मा के हाते में खड़ी करीब पांच गाड़ियां भी चपेट में आ गईं। ढहने की वजह से पड़ोस में अनिल शर्मा के हाते में खड़ी चार-पांच गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल और पुलिस की टीमें मलबे की जांच कर रही हैं कि कहीं कोई मजदूर या व्यक्ति तो नहीं फंसा है।

नगर निगम में 'जोनल कुर्सी' की लड़ाई तेज

कर अधीक्षकों की बढ़ी महत्वाकांक्षा, नगर आयुक्त की मुहर किसे लगेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में इन दिनों जोनल अधिकारी की कुर्सी को लेकर अंदरखाने चर्चाओं का बाजार गर्म है। कर अधीक्षकों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक की निगाहें जोनल अधिकारी की जिम्मेदारी पर टिकी हुई हैं। सवाल यह उठ रहा है कि यदि लगातार कर अधीक्षकों को ही जोनल अधिकारी बनाया जाता रहा, तो विभाग में जूनियर और सीनियर अधिकारियों के बीच का अंतर आखिर क्या रह जाएगा?

नगर निगम के गलियारों में चर्चा है कि जोन-3 में तैनात जोनल अधिकारी मनोज यादव को यह जिम्मेदारी दिए जाने के बाद कई अन्य अधिकारी भी स्वयं को इस दौड़ का दावेदार मानने लगे हैं। वहीं आलोक श्रीवास्तव जैसे वरिष्ठ अधिकारी भी चर्चा के केंद्र में हैं। दूसरी ओर जोन-1 में ओम प्रकाश सिंह का उदाहरण दिया जा रहा है, जिन्हें कार्यशैली और प्रदर्शन के आधार पर जोनल अधिकारी की जिम्मेदारी मिली थी।सूत्र बताते हैं कि नगर निगम में इन दिनों यह चर्चा भी जोरों पर है कि जोन-1 में तैनात कर अधीक्षक अनुराग उपाध्याय भी जोनल अधिकारी बनने की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। राजस्व वसूली में अपने कार्यकाल के दौरान बेहतर प्रदर्शन का हवाला देकर वह भी स्वयं को मजबूत दावेदार मान रहे हैं। निगम के भीतर यह सवाल पूछा जा रहा है कि जब अन्य कर अधीक्षक जोनल अधिकारी बन सकते हैं तो फिर उनके लिए रास्ता क्यों नहीं खुल सकता? दरअसल, कुछ समय पहले स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित बैठक में नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों, राजस्व निरीक्षकों और जोनल सेनेटरी अधिकारियों को बुलाकर बंद लिफाफों में तबादला आदेश थमा दिए थे। उस दौरान यह संदेश भी साफ तौर पर दिया गया था कि सिफारिश के बजाय कार्य के आधार पर जिम्मेदारियां तय होंगी। यही कारण है कि इस बार भी नगर निगम में होने वाले संभावित फेरबदल को लेकर सभी की निगाहें नगर आयुक्त के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

अपर नगर आयुक्त अवकाश पर

इसी बीच नगर निगम के दो अपर नगर आयुक्त अवकाश पर हैं और उनके लौटने के बाद सिफारिशों का दौर तेज होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती नगर आयुक्त गौरव कुमार को मनाने की बताई जा रही है। निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच यह धारणा बनी हुई है कि नगर आयुक्त निर्णय लेने में किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार नहीं करते।

पीसीएस अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल

वहीं पीसीएस अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि कुछ जोनों में अपेक्षित राजस्व वसूली नहीं हो सकी। विशेष रूप से जोन-8 को लेकर चर्चा है कि पिछले वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप वसूली न होने से निगम की कुल आय पर असर पड़ा।

» ***बड़े स्तर पर तबादलों की भी चर्चा...*** *नगर निगम में जल्द ही बड़े स्तर पर तबादलों की भी चर्चा है। तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही विभाग में जमे कर्मचारियों और बाबुओं पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। निगम के भीतर यह भी आवाज उठ रही है कि विभिन्न विभागों में संबद्धता के नाम पर वर्षों से मलाई काट रहे कर्मचारियों की भूमिका की भी समीक्षा होनी चाहिए।*

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा